ठेकेदार के बिलों में कटौती की गई थी;

(ख) यदि हां, तो ठेकेदार के बिलों की राशि कितनी थी और उसमें से कितनी कटौती की गई;

(ग) ठेकेदार के विरुद्ध और क्या कार्यवाही की गई है;

(घ) ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही करने में यदि कोई विलम्ब हुआ है तो उसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या घटिया सामग्री के स्थान पर ठीक सामग्री लगा दी गई है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) और (ख) : प्रथम चरण का कार्य पूरा करने के बाद कुछ एक स्थानों पर कुछ कार्य में छोटी-छोटी खामियां ध्यान में आयी । ठेकेदार के बिलों में उपयुक्त कटौती करके खामियों की पूर्ति की गयी । बिलों से कुल 31.08 लाख रुपए की राशि की कटौती की गयी ।

(ग) से (ङ) ठेकेदार से सम्पूर्ण खराब कांटेदार तारों को बदलने के लिए पहले ही कह दिया गया है और उन्हें बदला जा रहा है । डी०जी०एस० एण्ड डी० और अन्य एजेन्सियों द्वारा उपयुक्त कार्रवाई शुरू की गयी है ।

नागा विद्रोहियों पर फिल्म

3885. डा० बापू कालदाते : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने नागा विद्रोहियों पर सैनिक दमन के बारे में नकली फिल्में बनाने वाले एक गिरोह को पकड़ा है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि ऐसी फिल्में पहले ही बी०बी०सी० पर प्रसारण के लिए लंदन भज दी गई हैं;

(ग) क्या यह सच है कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय षडयंत्र का हिस्सा है और ऐसी फिल्में पंजाब और कश्मीर में भी बनायी जाने का अनुमान है; और

(घ) यदि हां, तो ऐसी खतरनाक प्रवृत्तियों को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) और (ख) नागा राष्ट्रीय परिषद् के 13 कार्यकर्ताओं के साथ दो ब्रिटिश नागरिकों को 30 जनवरी, 1992 को नागालैण्ड में गिरफ्तार किया गया था । ब्रिटिश नागरिकों द्वारा ग्रेट ब्रिटन को भेजे जा रहे वीडियो कैसेट और फिल्म रीलें दिल्ली में विदेशी डाकघर से कस्टम प्राधिकारियों द्वारा जब्त की गई थी ।

(ग) सुरक्षा बलों और राज्य तंत्र के द्वारा की जा रही कथित ज्यादतियों को बढाचढ़ा कर बताकर, पाकिस्तानी और आतंकवादी संगठन, जम्मू और कश्मीर तथा पंजाब समस्याओं का अन्तर्राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश कर रह हैं । ऐसा दृश्य और श्रव्य माध्यमों तथा साहित्य के माध्यम से किया जा रहा है ।

(घ) सरकार इस तरह की गति-विधियों पर निगरानी रख रही है और समुचित उपाय कर रही है ।

"कल्याण फार पैकेज आन टेम्पल" शीर्षक समाचार

3886. मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 12 जुलाई, 1992 के पैट्रियट में "कल्याण

फार'' पैकेज आन टैम्पल'' शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) से (ग) सरकार को इस खबर की जानकारी है । राष्ट्रीय एकता परिषद् की स्थायी समिति की दिनांक 23 जून, 1992 और परिषद् की दिनांक 18 जुलाई, 1992 को हुई बैठक में राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मामले पर विचार किया गया था । इसके साथ ही 27 जुलाई, 1992 को राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मुद्दे के बारे में प्रधान मंत्री ने संसद में एक वक्तव्य दिया था ।

Army deployment in' Punjab

3887. SHRI KAMAL MORARKA; Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the top brass of army are against any further stay of the troops in Punjab; and

(b) if so, what are the long-term plans devised by Government to satisfy the army personnel posted in Punjab?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AF FAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB); (a) and (b) Army has not been withdrawn from Punjab and it continues to provide assistance to civilian administration. The deployment decisions are taken by the Government keeping in view the assessed threat from the terrorists.

Visit of Israeli Army Official to Kerala

3888. SHRI PRAMOD MAHAJAN;
SHRI VIREN J. SHAH;

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state;

(a) whether Goverrment's attention has been drawn to the news report which appeared in the Indian Express of the 5th July, 1992 under the caption 'Mystery shrouds Israeli Army Official's visit";

(b) if so, under what circumstances the Israeli Army Official made a clandestine visit to Kerala from the 21st to 25th June, 1992;

(c) what was the purpose of his visit to Kera'ia alongwith the names of places he visited in India and the names of persons he met; and

(d) whether Government's prior permis sion was obtained, if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AF-FAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) and (b) Yes, Joseph Grey, Israeli national, visited India from 17.6 1992 to 1.7.1992 No. definite information about any clandestine activity has been report[L] ed.

(c) He entered India on tourist visa and visited Bombay, New Delhi, Jodhpur and in Kerala—Trivandrum, Beypore, Koshi-kode, Calicut (Karippur) and Mallapuram which are not restricted for foreigners. His meeting with any prominent persons did not come to notice,

(d) Foreign tourists can come to India after obtaining visas and no other prior 'permission is required.